VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (4512)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00916209

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Vivek yadav

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
हिंदी

तारीख
Date
27/7/25

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)
GENERAL STUDIES (Paper III)

केंद्र
Centre
करोलबाग

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/ धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (4512)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे
Time Allowed: **Three** Hours

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISIONIAS

1. पिछले दशक में भारत की समावेशी आर्थिक संवृद्धि में योगदान देने वाले कारकों का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Analyse the factors that have contributed to India's inclusive economic growth in the past decade. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत मे समावेशी आर्थिक संवृद्धि कई कारको का प्रतिफल है, जिसमे सरकारी सहायता, गैर सरकारी तंत्र का सहयोग और बढ़ती जागरूकता इसमे भूमिका निभाती है

पिछले दशक मे हुए सुधार एवं उनके पीछे कारक

1. महिलाओ की साक्षरता दर, लिंगानुपात मे वृद्धि, रोजगार मे संलग्नता
   - बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
   - सुकन्या समृद्धि योजना
   - PM मुद्रा लोन
   - स्टैंड अप इंडिया योजना।

2. SC/ST और पिछड़े समुदाय मुख्य धारा मे आये है
   - पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप
   - PM कौशल विकास योजना।
   - EMRS स्कूल
   - B.R. अंबेडकर छात्र अनुदान योजना।

3. जनजातियो का विकास (आर्थिक रूप से)
   - उत्पादो को जैविक उत्पाद (organic) हारफेड

VisionIAS

↳ pm Dhty मिशन ↳ pm जनमन मिशन

↳ pm आदि आदर्श ग्राम योजना।

④ दिव्यांगो की सुरक्षा
↳ रोजगार एवं शिक्षा में 5% (4%) का आरक्षण
↳ सुगम्य भारत अभियान।

⑤ पर्यावरण संरक्षण और विकास
↳ SDG इंडेक्स का मापन ↳ ग्रीन GDP और लेखांकन
↳ नवीनकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन

⑥ किसानो का सशक्तिकरण
↳ DBt के द्वारा लाभ ↳ pm किसान और pm कुसुम
↳ किसान को उद्यमिता से जोड़कर उनकी आय 2 गुना करना

हालांकि इतने सब प्रयासो मे भी → असमानता के मानक
बने है, जैसे OECD के अनुसार महिलाओ को 34% कम वेतन
↳ आय असमानता (oxfam अनुसार 5% के पास 60% संपत्ति)
↳ ग्रामीण – शहरी असमानता।

हालांकि इन चुनौतियो को बेहतर एवं समावेशी मानको द्वारा
हल किया जा सकता है और समावेशी संवृद्धि को
आर्थिक विकास के जरिया बढ़ावा जाकिर होगा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

2. भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिशेष हस्तांतरण सरकार को अत्यंत आवश्यक राजकोषीय राहत प्रदान करते हैं, फिर भी ये चुनौतियों से रहित नहीं हैं। आर.बी.आई. द्वारा सरकार को किए गए अधिशेष हस्तांतरण के निहितार्थों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The Reserve Bank of India's surplus transfers offer the government much-needed fiscal space, yet they are not without challenges. Critically examine the implications of the RBI's surplus transfers to the government. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय रिजर्व बैंक, अपना अधिशेष हस्तांतरण सरकार को करती है, जिसके माध्यम से सरकार अपने खर्च आपूर्ति एवं जनकल्याणकारी कार्यों को पूरा करती है

राजकोषीय राहत

(1.) बाह्य ऋण पर आश्रित नहीं होना पड़ता
(2) भारत की आर्थिक साख की मजबूती
(3) विदेशी ऋणों / IMF के मानकों पर निर्भरता नहीं
(4) घरेलू व्ययों को पूरा करने के माध्यम
- (1) महिलाओं, SC-ST किसानों को विशेष योजनाएं
- (2) कल्याणकारी राज्य के मानदंडों की प्राप्ति
- (3) अवसंरचना, सड़क निर्माण, योजनाएं PMAY जैसे प्रावधान

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि ये चुनौती रहित नहीं

(1) अधिशेष हस्तांतरण में विवाद
↳ दो-दो RBI गवर्नरों ने इस्तीफा दिया था।

(2) मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना
↳ ऐसे में RBI को समायोजन की रणनीति परंतु रोजगार सृजन का भी ध्यान।

(3) राजकोषीय नीति से टकराव

(4) सरकार द्वारा धन को रेवड़ियों और जुमला घोषणा योजनाओं पर

(5) आर्थिक विकास के लक्ष्यों को भी वांछित प्राप्त नहीं

आगे की राह
→ अर्थोपाय अग्रिम और वेज एंड मीन्स एडवांस संबंधी विशेषज्ञों की राय ली जाए
→ RBI द्वारा जो नये हस्तांतरण किया जाए उसे एक अलग फंड बनाकर रखा जाए।
→ हस्तांतरण की पारदर्शिता और आडिट हो
↳ जनकल्याणकारी कार्यों की प्राथमिकता का भी ध्यान (आउटकम बेस्ड)

VisionIAS

3. प्रथम राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में किस हद तक सफल रही है? हाल ही में 2025 के बजट में घोषित की गई नई परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना 2025-30 के उद्देश्य क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

To what extent was the first National Monetization Pipeline (NMP) able to meet its objectives? What are the objectives of the new Asset Monetization Plan 2025–30 as announced in the recent 2025 Budget? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन अवसंरचनात्मक सुधारों और निवेश-नवाचार केंद्रित रही, जिसके माध्यम से GDP प्रोत्साहन एवं रोजगार संवर्धन को लक्षित किया गया।

उद्देश्यों में सफलता का विश्लेषण

1. विनिवेश केंद्रित दृष्टिकोण (निवेश के अनुकूल)
2. ग्रीन और ब्राउनफील्ड के मध्य विभाजन (तार्किक
3. प्राइवेट प्लेयर्स को बुलाया गया (नवाचारी उपाय)
4. बंद पड़ी घरेलू इकाइयों को जीवनदान
5. अवसंरचनात्मक विकास में, प्रशासनिक शिथिलता को रोककर उन्हें प्रतिस्पर्धा आधारित बनाना।

चुनौतियाँ → परियोजनाओं की मंजूरी संबंधी

→ भूमि अधिग्रहण मुद्दा (ग्रीनफील्ड में)

→ लाभ साझेदारी पर विमर्श की कमी

→ पारदर्शिता की कमी

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बजट 2025 में घोषित नई परिसंपत्ति मुद्रीकरण

इसके उद्देश्य निम्न है-

(1) PPP मॉडल के अनुरूप विकास
↳ रेलवे, हवाई और अन्य क्षेत्रों में।

(2) परियोजनाओं की अवधि निर्धारित
↳ ताकि लागत-लाभ विश्लेषण हो सकें।

(3) मानव विकास पर भी ध्यान केंद्रित।
↳ मुद्रीकरण से जो लाभ प्राप्त उससे अलग कोष का सृजन जो विकास में उपयोगी।

(4) ग्रामीण विकास को भी ध्यान में रखा जाये।

(5) विदेशी निवेशकों को आकर्षित की जाए।
↳ और इसको एन्यूटी मॉडल के अनुरूप विकास

(6) ऑनलाइन ट्रेड, ई-नीलामी जैसे ई-नवीन मार्कों का उपयोग

विजय केलकर कमेटी की सिफारिशें और गतिशक्ति योजना से इसका जुड़ाव, भारत में अवसंरचनात्मक क्षेत्रों को और गति दे सकता है

www.visionias.in
VisionIAS

4. वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारतीय वस्त्र उद्योग को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने से बाधित करने वाली प्रमुख चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Examine the major challenges hindering the Indian textile industry from achieving its full potential in the global value chain. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय वस्त्र उद्योग GDP मे लगभग 2% और निर्यात मे 11% एवं रोजगार क्षेत्र मे कृषि, MSME के बाद सर्वप्रमुख क्षेत्र है और हस्तशिल्प युक्त वस्त्रो मे वैश्विक मूल्य श्रृंखला का केंद्र भी है। वही तकनीकी वस्त्रो मे कुछ चुनौतिया भी है।

प्रमुख चुनौतियाँ

1. पुरानी मशीनरी पर आधारित
   - जापान द्वारा तकनीकी प्रगति से सीख आवश्यक (उदा० – शुष्क परिस्थितियो मे भी विकास)

2. वस्त्र उद्योगो का केंद्रीयकरण सीमित
   - क्षेत्रीय समानता की आवश्यकता।

3. भारतीय वस्त्र उत्पादको की उत्पादकता की तुलना लंकाशायर - मेनचेस्टर से [12 गुना कमजोर] 12 : 1

4. वस्त्र क्षेत्र संबंधी कमजोर
   - MSME और छोटे क्षेत्र पर सीमित

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) स्थानीय जूट, रेशम, ऊनी वस्त्रो की अनदेखी

↳ मुख्यतः विकास सूती कपड़ा आधारित है

(6) कौशल विकास में कमी (7) द० पू. एशिया से प्रतिस्पर्धा

↳ तकनीकी वस्त्रो के सन्दर्भ में।

अन्य सरकारी प्रयास

(1) 5F दृष्टिकोण → [फार्म → फाइबर → फैक्ट्री → फैशन → फॉरेन]

(2) PM मित्रा पार्क की स्थापना

↳ जो तकनीकी आयात और बड़े उत्पादन से संबंधित

(3) PM विश्वकर्मा योजना (बुनकरो को सहयोग)

(4) समर्थ और संकल्प जैसी स्कीम

(5) PLI स्कीम को कपड़ा उद्योग से सम्बद्धता

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बनकर रोजगार उत्पादन और GDP को 5 ट्रिलियन बनाने में, कपड़ा उद्योग की मदद ले रहा है

VisionIAS

5. एक प्रमुख कृषि अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत खाद्य तेलों के लिए आयात पर अधिकाधिक निर्भर क्यों होता जा रहा है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why has India become increasingly import-dependent for edible oils despite being a major agricultural economy? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, जहाँ 42% आबादी अपने रोजगार हेतु कृषि पर निर्भर है एवं स्वतंत्रता पश्चात भारत ने कृषि आयातक से कृषि/खाद्यान्न निर्यातक का सफर तय किया गया है।

खाद्य तेलो के आयात पर निर्भरता

① भारत मे माँग अधिक, वैसे मे आयात आवश्यक

② तिलहन फसलो की उपलब्धता सीमित
↳ MSP जैसे सपोर्ट सिस्टम न होने के कारण किसानो की अनदेखी

③ खाद्य तेलो के लिए पैकेजिंग हेतु आवश्यक मशीनरी की कमी

④ खाद्य तेलो के अनुरूप वैश्विक मानक नहीं

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5.) FSSAI के सेफ्टी मेजर्स और स्वच्छता संबंधी मानकों पर खाद्य तेल संबंधी मानक खरे नही उतरते।

(6.) यूक्रेन, द.पू. एशिया से सस्ता आयात
↳ उपभोक्ता सदैव विदेशी एक्सपोर्ट को प्राथमिकता देते है

(7.) कृषि व्यवस्था होने के बाद भी GDP में भारतीय कृषि क्षेत्र केवल 16% योगदान।

क्या प्रयास किए जाएं

(1) Palm आइल पर राष्ट्रीय मिशन।
↳ उ.पू. क्षेत्रो मे तिलहन को बढावा।

(2) क्षेत्र विशिष्ट रणनीतियाँ – तिल, मूंगफली, सोयाबीन उत्पादन पश्चिमी व पूर्वी भारत के अनुरूप।

(3) MSP और PMFME (सूक्ष्म खाद्य उपक्रम) जैसी योजना।

(4) संविदा कृषि के माध्यम से किसानो को FSSAI के खाद्य मानकों से जोड़ना।

(5) PLI जैसी स्कीम, घरेलू कंपनियों को अतिरिक्त लाभ पहुँचा सकती है

VisionIAS

6. हवाई दुर्घटनाएं कम आवृत्ति वाली लेकिन उच्च प्रभाव वाली घटनाएं होती हैं। भारत में विमानन संबंधी आपात स्थितियों के लिए लागू आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Air accidents are low-frequency but high-impact events. Examine the disaster management protocols in place for aviation-related emergencies in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल मे अहमदाबाद हवाई दुर्घटना जैसी गंभीर आपदा हमारे सामने आई, जिसने विमानन संबंधी आपदा प्रोटोकॉल पर प्रश्न खड़े किए।

कम आवृति वाली लेकिन उच्च प्रभाव

→ भले ही इनकी संख्या कम हो, परंतु इनका प्रभाव

→ लोगो की जान-माल की हानि (अहमदाबाद प्लेन क्रैश 241 व्यक्तियों की मृत्यु)

→ भारत की छवि पर हानि। नुकसान

↳ उदा. → अन्य देशो के नागरिक भी शामिल।

→ परिवहन तंत्र एवं प्रौद्योगिकी से लोगो का विश्वास उठता है → डर की भावना

→ आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और अवसंरचनात्मक ढांचा भी दीर्घकालिक रूप से प्रभावित।

→ गंभीर आपदाओं के बाद, सोशल मीडिया अफवाह, और फेक न्यूज फैलना आदि।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आपात स्थितियों हेतु लक्ष्य प्रोटोकॉल

(1.) DGCA से लाइसेंसिंग की व्यवस्था की गई है इसके बिना परिचालन नहीं।

(2) विमान में ब्लैक बॉक्स और रेड अलर्ट सिस्टम।

(3) त्वरित कॉन्टैक्ट और आपात निकास एवं इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम की व्यवस्था।

(4) यात्रियों को स्पष्ट प्रोटोकॉल द्वारा खतरे और मानकों को बताना।

(5.) हवाई कंपनियों के फ्यूल संबंधी निगरानी (आग जैसी घटनाओं को रोकने हेतु)

(6) हवाईजहाजों का रखरखाव व मानवीकरण संबंधी मानक।

किसी भी आपदा के गंभीर प्रभाव, बहुआयामी होते है, ऐसे में आपदा संबंधी प्रोटोकॉल के राष्ट्रीय मानक एवं क्षेत्रीय विशेषताएं युक्त हो

→ विदेशी मानकों जैसी स्पष्टता हो
और विमानों के संबंध में परीक्षण एवं जोखिम अनुपालन का भी निर्धारण हो

www.visionias.in

7. रासायनिक प्रदूषण भारत में मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के समक्ष एक गंभीर खतरा है। व्यापक रासायनिक संदूषण में योगदान देने वाले प्रमुख स्रोतों पर चर्चा कीजिए और इस समस्या को रोकने में मौजूदा पर्यावरण संबंधी कानूनों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Chemical pollution poses a grave threat to human health and the environment in India. Discuss the key sources contributing to pervasive chemical contamination and evaluate the effectiveness of existing environmental laws in curbing this problem. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रसायनो का मानवीय श्रृंखलाओ (जल, वायु, मृदा -- मे प्रवेश करना, रासायनिक प्रदूषण की श्रेणी मे आता है, 'भोपाल गैस त्रासदी' जैसी घटना आज भी गंभीर प्रभावों को सामने लाती है

रासायनिक संदूषण के स्त्रोत

① उत्पादन प्रक्रिया – विशेषतः केमिकल निर्माण (उदा. → यूरिया)
② उद्योगो से निकलने वाली रासायनिक गैस
③ अपशिष्ट रासायनिक जल को सीधे स्त्रोतो मे छोड़ना।
④ रासायनिक परीक्षणो से उत्पन्न मलवा
↳ उदा. परमाणु संबंधी भारत
⑤ कंपनियो द्वारा उपयोग के बाद शेष पड़ा अपशिष्ट
↳ उदा. → भोपाल गैस त्रासदी की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का बचा पीथमपुर मे जलाया जाना

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक गंभीर खतरा

① पर्यावरण निम्नीकरण ② जैवविविधता ह्रास

③ मानव स्वास्थ्य - श्वासनली, त्वचा पर गंभीर प्रभाव

④ आपदा की संभावना - बड़ा जोखिम

रोकने हेतु कानून एवं प्रभावशीलता

① अपशिष्ट प्रबंधन अधि.
↳ पुनर्चक्रण और विषैले तत्वों की समाप्ति के बाद ही डंप।

② रासायनिक प्रदूषणों को रोकने हेतु अधिनियम 1979
↳ ये रासायनिक अपशिष्टों के निपटान के मानक निर्धारित

③ पर्यावरण संरक्षण अधि. 1986

④ EPR (उत्पादक विस्तारक उत्तरदायित्व) और संबंधित कंपनी पर ही दायित्व।

⑤ रासायनिक प्रदूषण करने वाली कंपनियों / फैक्ट्रियों पर जुर्माना (NGT द्वारा) और EIA के माध्यम से उन पर नियंत्रण

हालांकि स्पष्ट कार्यनीति का अभाव है, ऐसे में आवश्यक है कि एक विशिष्ट अधि. लाकर इसे रोका जाए, और जागरूकता बढ़ाई जाए।

VisionIAS

8. उभरते क्षेत्रीय खतरों और उन्नत हथियार प्रौद्योगिकियों के मद्देनजर मिसाइल रक्षा प्रणालियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होती जा रही हैं। मिसाइल रक्षा प्रणालियों के कार्य सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। स्वदेशी मिसाइल रक्षा क्षमताओं के विकास में भारत की प्रगति का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Missile defence systems are becoming critical for national security in the face of evolving regional threats and advanced weapon technologies. Explain the working principle of missile defence systems. Critically assess India's progress in developing indigenous missile defence capabilities. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल मे ऑपरेशन सिंदूर के समय मिसाइल रक्षा प्रणालियो की महत्वता सामने आई, जहाँ भारत ने पाकिस्तान द्वारा दागी गई मिसाईलो को S-400 द्वारा हवा मे ही नष्ट कर दिया।

मिसाइल रक्षा प्रणाली का सिद्धांत

① यह किसी भी हवा / स्थल से आने वाली मिसाइल को हवा मे ही मारने मे सक्षम।

② रडार बेस्ड टेक्नोलजी, सीधे अपने टारगेट पर वार करती है

③ मिसाइलो को ब्लास्ट कर, हवा मे मारने संबंधी कौशल, स्थानीय नुकसान / क्षति को बचाता है

कुछ उदा. → थाड (अमेरिका का)
→ आयरन डोम (इजराइल)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ भारत द्वारा रूस से S-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का आयात किया, ऐसे में स्वदेशी रक्षा क्षमता पर भी सवाल खड़े होते है

भारत की प्रगति

① आकाश जैसी प्रणालियों का विकास, परंतु प्रारंभिक चरण में
② भारत में रक्षा उत्पादन एवं मशीनीकरण तुलनात्मक कमजोर
- आज भी t-90 टैंक का वजन अधिक।
- परंतु मारक क्षमता में कमी → तेजस पूर्णतः शामिल नहीं
③ DRDO संबंधी विकास सीमित, प्राइवेट क्षेत्र से सहयोग नहीं
④ मिसाइल रक्षा प्रणाली हेतु, प्रौद्योगिकी आयात एवं स्वदेशीकरण की आवश्यकता (घरेलू उत्पादन सीमित)

चुनौति | भारत द्वारा प्रयास

① 25 बि$ का रक्षा निर्यात (2024 में)
② दो डिफेंस कॉरिडोर ③ डिफेंस एक्सपो 2025
④ अदिति योजना ⑤ अमेरिका के साथ → INDUS-X तंत्र

अतः प्रौद्योगिकी सुधार एवं मिसाइल रक्षा प्रणाली हेतु घरेलू उत्पादन का भी प्रयास जरूरी है

VisionIAS

9. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) द्वारा अपनाए गए अनेक संकल्पों और पहलों के बावजूद, आतंकवाद का मुकाबला करने के उसके प्रयासों को सीमित सफलता प्राप्त हुई है। इस सीमित प्रभावशीलता के कारणों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Despite multiple resolutions and initiatives undertaken by the United Nations Security Council (UNSC), its efforts to counter terrorism have achieved limited success. Discuss the reasons for this limited effectiveness. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

UNSC द्वारा आतंकवाद विरोधी प्रयासों में सीमित सफलता मिलने के प्रमुख कारण - आपसी प्रतिद्वंदिता और एकमत राय न बना पाने में देखे जा सकते हैं

हालांकि कुछ महत्वपूर्ण प्रयास जिसमें

(1) आतंकी समूहों की पहचान, उन्हें बैन करना।

(2) 1267 नंबर, जो रिजोल्यूशन के द्वारा आतंकवाद संबंधी रसूखों की सूची का निर्माण

(3) आतंकवाद की समाप्ति हेतु → UNOCT का गठन, जो गंभीर अपराध से निपटने का प्रयास

(4) आतंकवाद को रोकने के → एकमत पक्ष बनाने हेतु RATS जैसी नीतियां

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सीमित सफलता क्यों?

① स्पष्ट परिभाषा निर्धारण नहीं।

② चीन द्वारा पाक समर्थित आतंकवाद पर वीटो का उपयोग।

③ आतंकवाद के बदलते प्रतिरूप
↳ संगठित अपराध ↳ नार्को टेरर।

④ साइबर मशुला तंत्र और तकनीकी प्रयोग

⑤ आपसी सामंजस्यता का अभाव

क्षेत्र में क्या प्रयास होने चाहिए

① RATS से सहयोग – फंडिंग बैन का प्रयास

② No money for Terror की बैठकें

③ भारत जैसे देशों की राय, जो आतंकवाद प्रभावित हो आवश्यक उनकी।

④ R-8 देशों में सहमति।

⑤ आतंकवाद की सभी रूपों में व्याख्या।

एकता में ही सुरक्षा की रणनीति शामिल होती है

VisionIAS

10. भारत अपनी साइबर कूटनीति में 'बहु-संरेखण (मल्टी-अलाइनमेंट)' दृष्टिकोण को अपनाता है। यह दृष्टिकोण रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए भारत की आंतरिक सुरक्षा को किस प्रकार सुदृढ़ करता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

India practices a 'multi-alignment' approach in its cyber diplomacy. How does this posture strengthen India's internal security while maintaining strategic autonomy? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत अपनी साइबर सुरक्षा में बहुआयामी रणनीति अपना रहा है जिसमे -

(1.) अपने क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा।

(2.) राज्य एवं गैर राज्य हमलों से संरक्षण हेतु साइबर सुरक्षा नीति 2013।

(3) जिले में पुलिस बलो के स्तर
↳ साइबर टास्क फोर्स

(4) साइबर सुरक्षा के वैश्विक मानकों के अनुरूप
↳ बुडापेस्ट कन्वेंशन के पक्ष

(5) साइबर सुरक्षा व गोपनीयता के सामंजस्य
↳ व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम 2025

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आंतरिक सुरक्षा बनाये रखने हेतु चुनौती क्योंकि

(1) AIIMS रैनसमवेयर 2024 हमला

(2) मुंबई ग्रिड फेल्योर 2023

(3) cowin डाटा लीक मामला

(4) आंतकियो द्वारा टेलीग्राम चैनल, इंटरनेट भर्ती, TOR ब्राउजर, डार्क नेट जैसे प्रयोग।

(5) उपग्रह विमानों और आपदा प्रबंध को खतरा

भारत द्वारा उठाए प्रयास

└ CERT-IN └ भारत फायरवाल प्रणाली

└ ब्लॉकचेन आधारित तंत्र └ शिकायत निवारण तंत्र

└ डिजिटल इंडिया की सुरक्षा └ हाल में RISAT, रिसोर्ससैट जैसे

└ साईबर वॉर से बचने की तैयारी। उपग्रहों की लॉन्चिंग

आंतरिक सुरक्षा एवं रणनीतिक स्वायत्ता में, साइबर सुरक्षा आज की आवश्यकता बन चुकी है

11. अतीत में किए गए भूमि सुधारों की कमियों का परीक्षण करते हुए, विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए कि भूमि सुधार 2.0 कैसा होना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
While examining the shortcomings of the land reforms in the past, elaborate what land reforms 2.0 should look like. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वतंत्रता पश्चात भूमि सुधार की प्रक्रिया, भारतीय नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही, क्योंकि एक कृषि आधारित अर्थव्यवस्था मे भूमि का न्यायोचित वितरण अतिआवश्यक था, हालांकि इसमे कई चुनौतियां भी रही।

अतीत मे रही कमियाँ

① भूमि का आवंटन न्यायोचित नही हो सका

- अधिकतर भूमि कोर्ट-केस मे उलझी रह गई (संपत्ति अधिकार मामला)
- भूदान एवं अन्य बड़े सीलिंग एक्ट के कारण जो भूमि छीनी गई, वह बंजर / अनुपजाऊ थी।
- चकबंदी और हदबंदी के बाद प्राप्त भूमि, कृषक मजदूरों / बटाईदारों को नही मिल सकी।

② राजनीतिक जागरूकता का अभाव

- नेताओं द्वारा बड़े जमींदारों के विरुद्ध कदम नही उठाए गए।
- स्वयं जमींदार - राजनीतिक गठबंधन एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार
- 1वाँ संविधान संशोधन अधि. आया, परन्तु पर्याप्त नहीं रहा।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ भूमि-सुधारो की जिम्मेदारी राज्यों को दी गई थी।
- क्षेत्रीय विषमता और राज्यों की अनदेखी।
- प. बंगाल, केरल के अलावा अन्य राज्यो में इतनी सफल नही

④ कानूनो में छूप होल का फायदा
- उदा॰ प्रति परिवार के हिसाब से सीलिंग लगाई गई थी
- जमींदारों ने अपने सगे संबंधियो में जमीन बांट दी।

⑤ साक्ष्यो, भू अभिलेखो का अभाव।

भूमि सुधार 2.0 कैसा होना चाहिए

① लैंड रिकार्ड डिजिटलीकरण
- भूमि की वास्तविक स्थिति और उसकी उत्पादकता का अंदाजा
- प्रयास → स्वामित्व योजना। प्रयास → DILRMP (डिजिटल रिकार्ड मॉडर्नाइजेशन)

② भूमि सुधार कृषि सुधारो के बगैर अधूरे
- किसानो को ऋण की व्यवस्था [KCC, PACS के माध्यम से ऋण
- तकनीकी जरूरतो का ध्यान
  - कृषि मशीनीकरण
  - नवीन प्रौद्योगिकी — ड्रोन, AI, GM फसलों से जुड़ाव
  - कृषि में उत्पादन से अधिक उत्पादकता बढ़ाई जाए।

VisionIAS

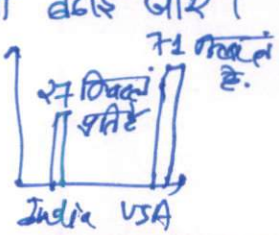

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ विभागों में समन्वय किया जाए
↳ नक्शा (सर्वेक्षण विभाग), भू अभिलेख (राजस्व विभाग)

④ भूमि सुधारों में छोटी जोतों का ध्यान
↳ 1.15 हेक्टेयर औसतन भूमि है,
ऐसे में संविदा कृषि और सहकारी कृषि

⑤ राज्यों को भूमि सुधार संबंधी कानूनों में सुधार करने हेतु → मॉडल भूमि सुधार एक्ट

⑥ महिलाओं को लैंड होल्डिंग्स दी जाए
↳ वर्तमान 14% से बढ़ाया जाए।

⑦ भूमि अधिग्रहण के समय उचित मुआवजा

उपरोक्त सुधार भूमि सुधारों 2.0 को जीवंत बना सकते हैं, और लोकतांत्रिक समाजवाद के मूल्य हो सकते हैं

VisionIAS

12. नीति आयोग ने अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं, अतः भारत में नियोजन और अभिशासन के विकास प्रतिमान में इसकी भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As NITI Aayog completes 10 years of its establishment, critically examine its role in the planning and development paradigm of governance in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1 जनवरी 2015 को नीति आयोग की स्थापना थिंक टैंक के रूप में की गई, जिसके द्वारा बॉटम अप दृष्टिकोण से काम करना और सहकारी संघवाद को बढ़ाना उसका मूल उद्देश्य था।

नियोजन एवं अभिशासन के विकास प्रतिमान

① केंद्र-राज्य संबंधों में सुधार

→ पूर्ववर्ती केंद्रीय योजना आयोग की तुलना में राज्यों को प्रतिनिधित्व और मदद अधिक।

→ सहकारी एवं संतुलित संघवाद का मॉडल

② राज्यों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और नियोजन को बढ़ावा

→ उदा. → नीति आयोग रैंकिंग फ्रेमवर्क

- जल प्रबंधन
- SDG इंडेक्स
- मानव विकास
- EODB आदि में

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) नियोजन मे नवाचार एवं विज्ञान व तकनीकी

→ नवाचार को बढ़ावा देने हेतु अटल इनोवेशन मिशन
→ अटल टिंकरिंग लैब्स और इंटर्नशिप
→ STEM मे महिला भागीदारी बढ़ाना।

(4) भारतीय नियोजन की सबसे बड़ी चुनौती यह रही थी, कि इसमे व्यक्तियो से अधिक वस्तुओं पर ध्यान दिया गया → अमूल्य क्षेत्र

→ इसी मे सुधार करने हेतु नीति आयोग ने आकांक्षी जिला परियोजना [ADP], भारत के सबसे पिछड़े जिलों को मानवविकास और सुधार से जोड़ना

3C → कोलेबरेशन
→ कन्वर्जेंस
→ कोम्पटीशन

के आधार पर 112 पिछड़े जिलो का विकास करना।

और

→ इनोवेशन (नवाचार)
+
→ इन्क्लूसन (समावेशिता) → के माध्यम से सभी क्षेत्रीय विषमता से दूर करना

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि कुछ चुनौतियाँ भी देखने मिलती है

(1) योजनाओ मे राज्यो की प्रत्यक्ष भागीदारी कम

↳ विशेषत: नीति निर्माण में अनदेखी

(2) कार्यों का दोहराव एवं राज्यो से टकराव

↳ नीति आयोग कोई संवैधानिक निकाय नहीं है

(3) आर्थिक कारणो के संबंधी, कई बार क्षेत्रीय विषमता एवं ग्रामीण क्षेत्रो तक नियोजन में समस्या रही है

↳ वित्त आयोग से भी टकराव

आगे की राह

- नीति आयोग मे राज्यो को प्रतीकात्मक के साथ वास्तविक नेतृत्व भी।
- डाटा ड्रिवन गवर्नेंस और परिणाम आधारित आकलन
- एकीकृत राष्ट्रीय नीति और क्षेत्र विशिष्ट योजनाएँ
- समावेशी, सतत और धारणीय विकास को सभी तक पहुंचाने का प्रयास।

VisionIAS

13. भारत में ग्रामीण तथा बैंकिंग सुविधा से वंचित आबादी के बीच सीमित औपचारिक ऋण पहुंच के लिए उत्तरदायी प्राथमिक कारण क्या हैं? इस अंतराल को समाप्त करने और समावेशी वित्तीय विकास को आगे बढ़ाने में लघु वित्त बैंकों की प्रभावशीलता पर टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the primary causes of limited formal credit penetration among the rural and unbanked populations in India? Comment on the effectiveness of Small Finance Banks in addressing this gap and advancing inclusive financial growth. (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वतंत्र पश्चात अनौपचारिक ऋण को औपचारिक बदलने का प्रयास किया गया, क्योंकि कृषि एवं समावेशी संवृद्धि युक्त विकास - वित्त की सुलभ पहुंच के बिना दुर्लभ है

सीमित औपचारिक ऋण पहुंच के कारण

1. बैंकिंग शाखाओं का शहरी केंद्रीयकरण।
2. क्षेत्रीय विषमता; विशेषतः ग्रामीण, जनजातीय, पहाड़ी और उ.पू. क्षेत्रों में।
3. बैंकों के ऋण संबंधी कड़े मानक।
   - ब्याज दर अधिक और बिना कोलेट्रल लोन नहीं।
4. कृषि की स्थिति बदत्तर, ऐसे में अपनी उपज को त्वरित बेचना (आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की कमी)
5. भूमि सुधारों की असफलता → ऋण देने वाले जाइनल आज भी प्रबल।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(6) प्राइवेट एवं विदेशी बैंक अपनी शाखाओ को मेट्रो शहरों तक सीमित रखना चाहते।

(7) RBI के PSL मानकों का उल्लंघन।

(8) RRB और SFB की तकनीकी कमियाँ।

(9) ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुँच कम।

→ अतः इस अंतराल को भरने मे, और समावेशी विकास करने मे लघु वित्त बैंको की भूमिका

(1) इन्हे कोई बडी अवसंरचनात्मक ढाँचे की कोस्ट अदा नहीं करनी होती।

(2) 75% तक अपना ऋण ग्रामीण और कमजोर वर्ग को ही।

(3) ब्याज की दर बहुत कम और बिना कोलेट्रल के ऋण।

(4) महिलाओ हेतु विशेष छूट प्रदान।

(5) सरकारी योजनाओ का धरातलीय कार्यान्वियन
→ PM मुद्रा, स्टैंड अप इंडिया, MSME
→ KCC कार्डधारको को सुविधा → किसानो की बचत सुनिश्चित करने मे मदद

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लघु वित्त बैंक मे कुछ कमियाँ भी देखी गई

- ग्रामीण क्षेत्रों मे जागरूकता संबंधी कमी।
- फिनटेक क्षेत्र शहरों मे सीमित।
- NPA की समस्या।
- RBI, राज्यसरकार, केंद्रसरकार का नियामक दोष।
- लोन की मात्रा बहुत कम
  - जबकि कृषि मशीनीकरण मे अधिक धनराशि जरूरी।

बेहतर सुधार एवं प्रयास

- PM जनधन खातों को लिंक एवं DBT (जनधन + आधार + मोबाईल)
- बैंक सखी जैसी जागरूक महिलाएँ
- PACS से संबंध, और सहकारिता आधारित ऋण
- उ.प्र. क्षेत्रो मे लघु वित्त बैंको को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक शाखाओं से संलग्नता
- ऋण के मानको का ध्यान व लंबी अवधि के ऋण

नंदन नीलेकणी समिति एवं नरसिंहम समिति द्वारा सुझाए गए सुधार लघु वित्त बैंको की क्रियाशीलता और अधिक समावेशी कर सकते।

VisionIAS

14. खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना ने भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में मूल्यवर्धन, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को किस हद तक सुगम बनाया है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

To what extent has the Production Linked Incentive Scheme for the food processing industry facilitated value addition, employment generation, and global competitiveness in India's food processing industry? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र सनराइज उद्योगों की श्रेणी में आता है, जो GVA में 2% और कृषि में (8% GVA) की हिस्सेदारी है, और 2023-24 में 7% CAGR की दर से इसमें वृद्धि बताती है कि इसका भारतीय कृषि – भारतीय उद्योगों में महत्वपूर्ण स्थान है

PLI योजना के सहयोग

1. नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना।
2. बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज प्रदान करना।
3. छूट और ऋण संबंधी फ्रेमवर्क और वित्तीय लाभ।
4. प्रसंस्करण इकाइयों में मूल्यवर्धन
   - उत्पादन इकाइयों को सहयोग
   - स्टांप शुल्क एवं भूमि शुल्क में छूट
   - उत्पादन के वैश्विक मानक प्रदान करना

VisionIAS

⑤ रोजगार सृजन

→ कृषि संरचनात्मक / सामयिक बेरोजगारी को कम करने में सहायक

→ रोजगार की सूक्ष्म पहुंच और तकनीकी सहायता भी।

→ महिलाओं की LFPR में वृद्धि करने में सहायक

⑥ वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता

→ PLI के माध्यम से, प्रसंस्करण क्षेत्र में FDI (निवेश) का आगमन बढ़ा है।

→ 100% FDI की स्वचालित सुविधा एवं निवेश की छूट

→ सरकारी सहयोग और निजी व्यापार से युक्त [PPP मॉडल के अनुरूप विकास)

यद्यपि अभी भी इसमें चुनौतियाँ देखी जा सकती है

① आपूर्ति श्रृंखला मिसमैच

→ वेयरहाउसिंग सुविधा उपलब्धता नहीं

→ खाद्यान्नों की बर्बादी

→ कच्चे प्रसंस्करण हेतु नवीन तकनीकी सुविधाएं नहीं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

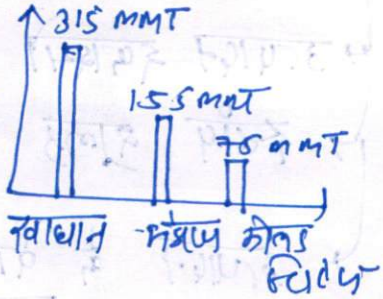

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② PLI स्कीम मे भी कुछ चुनौतियाँ

- प्रतिस्पर्धी उद्यमो को आकर्षित नही कर पाना
- msme जैसे छोटे क्षेत्रो तक जुड़ाव नही
- स्कीम के लाभ के लिए निश्चित मानक

जबकि प्रतिस्पर्धा उद्योग 'ग्रामीण औद्योगीकरण' से संबद्ध।

ऐसे मे इसे समावेशी सुलभ और संवृद्धि युक्त बनाने की जरूरत

① हब एंड स्पोक मॉडल का उपयोग – नवाचारी

② टी.एस और मीना कुमारी समिति के उपाय

- बेहतर वेयरहाउसिंग सुविधा
  - GM तकनीक उपयोग
- मजदूरों व श्रमिको को लाभ
  - फार्म गेट से उत्पादों को उठाना

जैसे प्रयास अधिक लाभकारी हो सकते है

भारत की इकॉनामी को 2027 तक 5 ट्रिलियन बनाने मे लाभप्रतिस्पर्धा व PLI संयोजन आशावादी प्रतीत होगा

VisionIAS

15. अपशिष्ट चक्रीकरण भारत के बढ़ते ठोस अपशिष्ट संकट के लिए एक संधारणीय समाधान के रूप में उभर रहा है। अपशिष्ट चक्रीकरण के प्रमुख सिद्धांतों और इस संबंध में सरकार की पहल पर चर्चा कीजिए। चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) को बढ़ावा देने में ये उपाय कितने प्रभावी रहे हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Waste circularity is emerging as a sustainable solution to India's mounting solid waste crisis. Discuss the key principles of waste circularity and the government's initiative in this regard. How effective have these measures been in fostering a circular economy? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत मे प्रतिदिन 1.7 लाख टन ठोस अपशिष्ट का निर्माण होता है, वही पुर्नचक्रण की स्थिति 33% से भी कम है, जिसका दुष्प्रभाव - पर्यावरण निम्नीकरण और बहुआयामी चुनौतियो के रूप मे सामने आता है

अपशिष्ट-चक्रीकरण-समाधान का एक रूप

(1.) अपशिष्ट से उपयोगी वस्तुओ का निष्कर्षण।

(2.) उपयोगी वस्तुओ का उपयोग पुर्नचक्रण के तौर पर (तकनीकी आधारित)

(3.) शेष अपशिष्ट का उपयोग → बिजली निर्माण / जैव आधारित प्लॉस / चक्रीय इकोनामी के अनुरूप

(4) अंत मे जो शेष बचे
→ उसको पर्यावरणीय मानको के अनुरूप निपटान

यह संधारणीय उपाय के रूप मे

VisionIAS

① RRR की रणनीति – रिड्यूस, रिसाइकल, रियूज

↳ इसके द्वारा अपशिष्ट का प्रबंधन हो सकेगा।

② पर्यावरणीय निम्नीकरण में कमी

- ठोस अपशिष्ट खाद्य शृंखला को प्रभावित कर सकता है।
- पशु शृंखला को नुकसान।
- समुद्री प्रवेश से संपूर्ण चक्र प्रभावित होने की संभावना

अतः इनका पुनर्चक्रण व निपटान आवश्यक।

③ संधारणीयता के साथ लागत प्रभावी

④ अतिरिक्त आय का एक स्रोत

सरकारी पहल

① वेस्ट टू एनर्जी जनरेशन प्लांट

↳ उदा. दिल्ली में लैंडफिल साइट से 21 MW ऊर्जा निर्माण

② जैव ईंधनों का निर्माण

- गोबरधन योजना (गैल्वनाइजिंग आर्गेनिक बायो एग्रो रिसोर्स)
- जैव ऊर्जा प्लांट हेतु सब्सिडी
- PM जीवन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

② कानूनी उपाय
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधि. २०१६
- प्लास्टिक / SWP को हटाने हेतु २०२२ के विनियम
- अपशिष्ट निपटान अधि. (संशोधन) २०२४।

चक्रीय व्यवस्था अपनाने में प्रभावशीलता

→ चक्रीय व्यवस्था के माध्यम से एक ओर
- पर्यावरण संरक्षण
- आय संरक्षण
- पोषण सुरक्षण

इनका मिलाजुला प्रभाव सरकार की कामी को प्रभावित करता है वैसाकि कुछ सुधार और भी आवश्यक

① राइट टू डिस्कनेक्ट
② अपशिष्ट प्रबंधन में ईपीआर को मानकीकरण
③ पुनर्योजित उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ी है
④ कैरिटिंग मानकों को ध्यान में रखा जाए

कार्बन क्रेडिट की तर्ज पर प्लास्टिक क्रेडिट और नवीन ठोस प्रबंधन रणनीति बेहतर चक्रीय अर्थव्यवस्था सुनिश्चित होगी।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

16. भारत के जनजातीय समुदायों के पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को आधुनिक आपदा प्रबंधन ढांचों के साथ एकीकृत करने के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। ऐसे दो उदाहरणों का उल्लेख कीजिए जहां स्वदेशी प्रथाओं ने आपदा प्रतिरोधी क्षमता में योगदान दिया है। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the importance of integrating traditional ecological knowledge of India's tribal communities with modern disaster management frameworks. Mention two examples where indigenous practices have contributed to disaster resilience. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की विशेषता उसके परंपरागत और आधुनिक ज्ञान की संलग्नता के रूप मे जानी जाती है और विशेषता आपदा प्रबंधन संबंधी मे मानको मे विशेषतः देखी जा सकती है।

दोनो ढांचो को एकीकृत करने का महत्व

1. जनजातीय समुदाय या क्षेत्रीय समुदाय, अपनी भौगोलिक स्थितियो की विशिष्टता को समझते है

2. आपदा संबंधी जोखिम का प्रतिक्रमन, स्थानीय प्रभाव, संकट के समय कार्यशीलता और अतिरिक्त संसाधनो के मापन मे, उनके ज्ञान का उपयोग करना चाहिए।

3. परंपरागत साधन → लागत प्रभावी और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित होते है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) उन्हें आधुनिक तकनीकी और ज्ञान विज्ञान के साथ
→ डॉक्टर, पुलिस, NDRF टीम, क्षेत्रीय विशेषज्ञों के साथ एकीकरण करना।
→ यह आपदा के शमन और प्रभाव विश्लेषण में ज्यादा कारगर साबित होगी।

(5.) आपदा मित्रों के रूप में इनका उपयोग करना

(6) आपदा प्रतिरोधी तकनीक को इनके ज्ञान से जोड़कर (प्रभाव आधारित पूर्वानुमान) को सुनिश्चित करना।

स्वदेशी प्रयासों ने आपदा प्रबंधन में सहयोग

(1) ओडिशा की PVTG जनजातियां, जो मुख्यतः पूर्वी तटीय क्षेत्र में पाई जाती, उनके द्वारा चक्रवातीय सुरक्षा हेतु [प्राकृतिक तटबंध सुरक्षा] को महत्व।
→ उनके द्वारा मैंग्रोव वनों का संरक्षण और अपने संसाधनों का प्रबंधन

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) मध्यप्रदेश एवं राजस्थान में पाई जाने वाली भील जनजाति द्वारा → सूखा की आपदा प्रबंधन

→ उदा. → शुष्क खेती को प्राथमिकता देना।
→ स्थानीय चेकडेम का निर्माण करना।
→ पीपलांत्री गाँव की महिलाएं वृक्षारोपण द्वारा, राजस्थान की भूमि क्षरण को बचाया

अत: आवश्यक है कि पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण किया जाए, इन्हें केवल अनुपयोगी मानकर / रूढ़िगत मानकर छोड़ा न जाए। और आपदा संबंधी शमन एवं विनियमन में इनका उपयोग बेहतर परिणाम दे सकता है।

VisionIAS

17. हाल के वर्षों में क्रिस्पर (CRISPR) प्रौद्योगिकी ने नए उपकरणों और नैदानिक सफलताओं के साथ तीव्र प्रगति की है। क्रिस्पर-आधारित जीन संपादन प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में हालिया विकास पर प्रकाश डालिए। इन प्रगतियों से स्वास्थ्य देखभाल और समाज के लिए उत्पन्न अवसरों और नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

CRISPR technology has rapidly advanced in recent years, with new tools and clinical breakthroughs. Highlight the recent developments in CRISPR-based gene editing technology applications. Discuss the opportunities and ethical challenges these advancements present for healthcare and society. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

CRISPR-केस9 तकनीक जीन एडीटिंग का महत्वपूर्ण टूल है, इसके द्वारा जीन संश्लेषण के माध्यम से नए उपकरणों व नैदानिक सफलताओं में क्रांतिकारी प्रयास किए जा रहे है (आणविक कैंची के रूप मे)

जीन संपादन प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग

1. चिकित्सा के क्षेत्र मे
   - गंभीर बीमारियो का इलाज संभव (उदा. → पार्किंसन)
   - कैंसर सेल का कीमोथेरेपी की तुलना मे बेहतर उपचार।
   - आनुवांशिक रोगो से बाहलाजता की ठीक करना संभव हो सकता है
   - जीन विकृतियो को नष्ट किया जा सकता है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② कृषि क्षेत्र में
- GM फसलों के उत्पादन में।
- ग्लाइफोसेट रेजिस्टेंस फसल प्रतिरूप उत्पादन।
- नए बीजों और पर्यावरण अनुकूल उनका प्रबंधन।

③ महामारियों से लड़ने में
- उदा. → मादा मच्छरों की जीन एडिटिंग, आणविक कैंची के माध्यम से

④ जीन संबंधी चुनौतियों को दूर करने में
- आज जहाँ भारत में 50% से अधिक जनजातीय आबादी सिकल सेल अनीमिया से पीड़ित होती।
  - इसका उपचार करना संभव हो सकता है

⑤ क्लोनिंग और स्टेम सेल जैसी प्रजनन सुविधाओं में।

⑥ कृत्रिम अंग निर्माण और उनकी प्रत्यारोपण में।

हालांकि कोई प्रौद्योगिकी अपने आप में पूर्ण नहीं होती है, स्वास्थ्य देखभाल के साथ, नैतिक चुनौतियों की भी श्रृंखला।

① महँगी तकनीक
- कमजोर वर्ग द्वारा वहनीय नहीं। और प्राप्त पहले ही स्वास्थ्य असमानता से पीड़ित

③ जीन में स्थायी बदलाव एवं विकृति का खतरा

↳ इसकी सफलता के कोई स्पष्ट मानक नहीं।

② डिजाइनर बेबी और कृत्रिम जनन जैसी समस्या

↳ मानवता पर गंभीर खतरा उठ सकते।

④ स्वास्थ्य क्षेत्र में उपयोगी, परंतु

[अभी बहुत शोध एवं तकनीकी कार्य बाकी।

↳ जैसे में मानव - पशु पर परीक्षण

जो कि कांट के अनुसार नैतिक नहीं।

⑤ प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग → गोपनीयता संबंधी।

कोई भी प्रौद्योगिकी (विशेषतः CRISPER), मानव जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है बशर्ते उन्हें तकनीकी रूप दे जाय नैतिक मसले का भी ध्यान रखा जाय। भारतीय चिकित्सा परिषद इसके मानक निर्धारित करे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

18. एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम भारत की आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के रणनीतिक उद्देश्यों, प्रोत्साहनों और संस्थागत संरचना का विश्लेषण कीजिए। उन प्रमुख जोखिमों की पहचान कीजिए जो इसकी समय-सीमा को बाधित कर सकते हैं। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

A credible semiconductor ecosystem is pivotal for India's economic security as much as for national security. Analyse the strategic objectives, incentives, and institutional architecture of the India Semiconductor Mission (ISM). Identify the major risks that could derail its timelines. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत ने सेमीकॉन इंडिया के नाम से, अपनी पहुँच सेमीकंडक्टर मार्केट में स्थापित की है, क्योंकि यह इकोसिस्टम आर्थिक-राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण।

ISM के रणनीतिक उद्देश्य

① सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला चीन, ताईवान जैसे देशों तक सीमित।

② प्रौद्योगिकी की पूर्णतः आयात निर्भरता, राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं।

③ अतः प्रौद्योगिकी स्वदेशीकरण और स्वदेश उत्पादन इसकी विशेषज्ञता को बढ़ायेगा।

④ भारत के विदेशी रिजर्व की रक्षा हो सकेगी और आर्थिक उद्देश्यों और राष्ट्रीय उद्देश्यों का समन्वय

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(३) क्रिटिकल मिनरल और सेमीकंडक्टर की दौड़ में भारत की एक हिस्सेदारी होगा।

प्रोत्साहन एवं संस्थागत संरचना

(1) गुजरात में तीन सेमीकंडक्टर प्लांट (10 हजार करोड़ भारत के)

(2) FDI आकर्षण एवं निवेश को बढ़ावा।

(3) PLI स्कीम के द्वारा सेमीकंडक्टर निर्माण को गति

(4) SEMICON इंडिया विजन के अनुरूप प्रयास

(5) टैरिफ कम, ड्यूटी फ्री, प्रौद्योगिकी आयात संबंधी राष्ट्रीय नीति EPCG

(6) कौशल विकास और सेमीकंडक्टर मिशन हेतु मजबूत बल की तैयारी

इन प्रयासों से हितसाधना क्योंकि

(1) नवीकरणीय ऊर्जा (फोटोसेल) (2) रक्षा प्रौद्योगिकी

(3) सुपरकंप्यूटर निर्माण (4) क्वांटम प्रौद्योगिकी

इन सबमें सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी अनिवार्य है।

VisionIAS

घँलांकि कुछ चुनौतियां भी

1. भारत मे तकनीकी क्षेत्र मे प्रफेशनल कमजोर
2. कौशल युक्त श्रमबल की कमी
3. प्रौद्योगिकी का आयात मुश्किल (विदेशी प्रतिबंध)
4. चीन+1 रणनीति का पूर्ण लाभ नही
5. वित्त/पूंजी की अधिक आवश्यकता
6. प्रशासनिक रूकावटे, EODB की कमी

आगे की राह

→ नवाचार और स्टार्टअप पारितंत्र
→ USA के साथ सहयोग सेमीकंडक्टर विनिर्माण मे
→ घरेलू विनिर्माण को अंतर्राष्ट्रीय मानको के अनुसार
→ PLI जैसी स्कीम को समावेशी बना तकनीकी विशेषज्ञता से जोड़ना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

19. विविध कारकों का जटिल अंतर्संबंध पूर्वोत्तर में उग्रवाद को बढ़ावा देने वाला कारक रहा है। विवेचना कीजिए। इस क्षेत्र में उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए एक बहुस्तरीय रणनीति का सुझाव दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Intricate inter-play of diverse factors has been the force multipliers for extremism in the North East. Discuss. Suggest a multilayered strategy to tackle the menace of extremism in this region. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए
Candida must not write on this mar

पूर्वोत्तर भारत, स्वतंत्रता पूर्व एवं उसके बाद भी जटिल अंतर्संबंधों से घिरा रहा, जिसने उग्रवाद की जड़ो को पोषित किया, आज इस खतरे से निपटने हेतु बहुआयामी प्रयास।

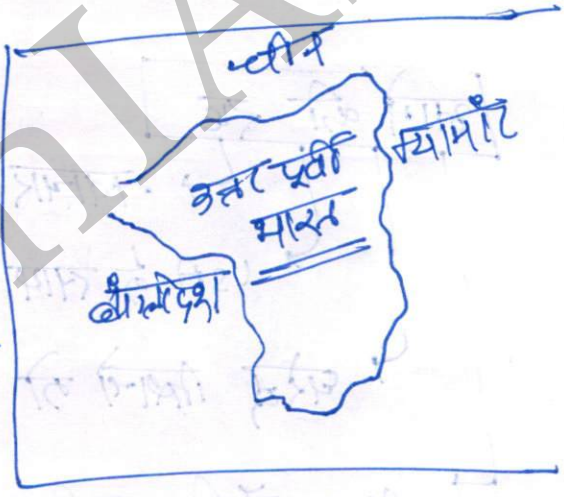

1. भौगोलिक चुनौतियाँ
   - जटिल भूगोल,
   - दुर्गम भूभाग व पहाड़ी क्षेत्र

2. सीमावर्ती समस्या
   - पड़ोसी देशों से घुसपैठ → ड्रगों की खेप / तस्करी
   - अपराधियों की प्रश्रयता

3. जनजातीय बहुलता
   - हाल में मणिपुर हिंसा (मैतेई vs कुकी)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ सभी की अपनी मान्यताएं और प्रयास

→ संसाधनों पर नियंत्रण का प्रयत्न

④ उग्रवादी समूहों का इतिहास

↳ NSCN ग्रेटर नागालैंड ↳ ULFA असम

↳ समझौते के बाद भी जारी

⑤ औपनिवेशिक जटिलता

↳ पृथक्करण का प्रयास ↳ विकास नहीं

↳ INR परमिट से दूर कर दिया ↳ संसाधनों का शोषण

⑥ राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं

↳ दिल्ली से पैराशूट लीडर ↳ स्थानीय तत्वों की कमी

⑦ विकासात्मक गतिविधियों की पहुँच नहीं

↳ प्रशासनिक अकुशलता एवं अन्यता

ये सभी कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद को पोषित करते हैं, अतः इनसे निपटने हेतु प्रयास

① सहभागी शासन

↳ अनु. 371 द्वारा प्रावधान ↳ 5वी और 6वी अनुसूची सहयोगी

↳ PESA द्वारा इनके संसाधनों की रक्षा।

VisionIAS

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② विदेशी संबंधों से अनुकूलता

- म्यांमार से आपरेशन सनराइज और नशे की खेप को रोकना।
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी
- अवसंरचना विकास (PM devine योजना)

③ विकासात्मक गतिविधि

- अवसंरचना निर्माण (बोगीबील पुल, सड़क-रेल निर्माण)
- PPP मॉडल प्रयोग (डोनीपोलो एयरपोर्ट)
- कृषि में अनुकूलता (उदा. पामऑयल मिशन)

④ उग्रवादियों से लड़ने में सशस्त्र संघर्ष + समझौता

- AFSPA के अनुपालन में सीमितता
- लोगों को जागरूक करना
- स्थानीय ग्रुपों से समझौता व उन्हें जनसहभागिता

उत्तरपूर्व के लोगों के प्रति मानसिकता बदलाव, उन्हें सिनेमा, उद्योग और IT-BPO सेक्टर में समावेश करना और दिलों को जोड़ना

→ मैं यहां आपके विकास के लिए नहीं, आपसे भारत के विकास की बात करने आया हूं

→ अटल बिहारी जी (वाजपेयी)

VisionIAS

20. महिलाओं को युद्धक भूमिकाओं (कॉम्बैट रोल) में शामिल करने की दिशा में हाल ही में उठाए गए कदमों के बावजूद, उनकी भागीदारी कम बनी हुई है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की व्यापक भागीदारी में बाधा उत्पन्न करने वाली प्रमुख चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। साथ ही, उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए उपयुक्त उपाय भी सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Despite recent steps towards inducting women into combat roles, their participation remains low. Examine the key challenges impeding the greater inclusion of women in the Indian armed forces. Also, suggest suitable measures to enhance their participation. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय सशस्त्र बलो मे महिलाओ का प्रतिनिधित्व अन्य विकसित देशो की तुलना मे कम रहा है, वही इन्हे गैर युद्धक भूमिकाओ तक सीमित रखने का प्रयास, परंतु अब इस रणनीति मे बदलाव।

हाल मे उठाये कदम

(1.) बबीता पुनिया वाद मे महिलाओ को सशस्त्र बलो मे स्थायी सुरक्षा व युद्धक भूमिका मे सहमति।

(2) पिछले वर्षो मे NDA मे लडकियो की भर्ती की इजाजत

(3) युद्धक भूमिकाओ मे न केवल सुरक्षात्मक एवं सीमा संरक्षण, बल्कि महिलाओ को युद्धक क्षेत्र, ऑपरेशन, और बडे मिशनो मे भी भेजा जा रहा

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

(4) आज फाइटर जेट उड़ाने में,
विनाशक युद्धपोतों के संचालन में,
राफेल के परिचालन में,
और एकीकृत युद्ध समूहों में महिलाएँ अपनी भागीदारी प्रस्तुत कर रही है

हालांकि कुछ चुनौतियाँ आज भी बनी हुई है

(1.) लैंगिक समानता में कमी (5-10% ही संख्या)

(2.) पुरुषों की महिला नेतृत्व के प्रति अनिच्छा और असहमति

(3) रेजिमेंट आधारित सेना ढांचा में महिलाओं की भूमिका कमजोर

(4) शारीरिक चुनौतियाँ और मातृत्व जैसे मुद्दे

(5.) महिलाओं पर दोहरा बोझ

(6.) अग्निवीर योजना के बाद, महिला वर्गों की युद्ध समूह के प्रति रुझान कम

(7) युद्ध स्थलों की विभीषिका एवं शत्रुओं की सेनाओं द्वारा अपहरण

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महिला समावेशिता को बढाने हेतु प्रयास

→ महिलाएँ शारीरिक और मानसिक दोनो दृष्टिकोण से सशक्त होती है।

→ नेतृत्वक्षमता मे उनका उपयोग, भारतीय सेनाओ की क्षमता 2x कर सकता है

→ पुरुषो की मानसिक क्षमता और उन्हे नैतिक प्रशिक्षण के माध्यम से इसे समावेशी बनाजाए

→ अन्य देशो के मॉडल्स का उदा. और उनसे सीख।

→ महिलाओ को युद्ध-समूह की सही ट्रैनिंग और कॉम्बैट कुशल प्रशिक्षण देना।

→ NCC मे प्राथमिक तौर पर महिलाओ को शामिल करना ताकि वे भविष्य हेतु तैयार हो सके

समाज तक मे महिलाओ की भूमिका नैतिक समावेश व भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा दोनो मे उपयोगी होगी

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS